



0117CH11

11. पतंग

सर-सर सर-सर उड़ी पतंग,
फर-फर फर-फर उड़ी पतंग।

इसको काटा, उसको काटा,
खूब लगाया सैर सपाटा।

अब लड़ने में जुटी पतंग,
अरे कट गई, लुटी पतंग।

सर-सर सर-सर उड़ी पतंग,
फर-फर फर-फर उड़ी पतंग।





पतंग का चित्र बनाओ।

अब कविता बनाएँ

सर-सर सर-सर उड़ी पतंग

घंटी बोली

उड़ता कपड़ा

..... खन-खन-खन



सोचो और लिखो

तुम पतंग के साथ सैर-सपाटे पर गईं। वहाँ तुमने क्या-क्या देखा?

.....

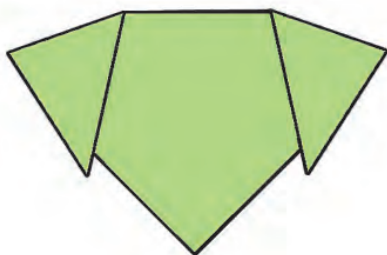
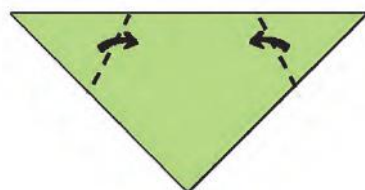
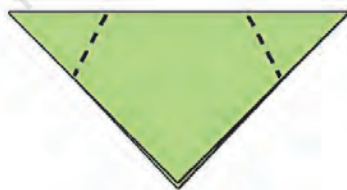
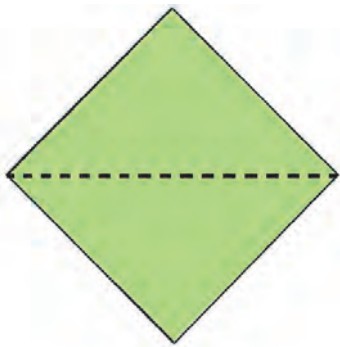
.....

पतंग कटकर कहाँ-कहाँ गिर सकती है?

.....

.....

कागज़ से कुत्ता बनाओ।





कहती है अब खेल का समय

२४

हुर्रे! जीत गई

२३

जल्दी-जल्दी चार बार बोलो- कच्चा पापड़ पक्का पापड़। आगे बढ़ो।

२२



२१

पाँच बार चुटकी बजाओ और चुस्की का मज़ा लो।

२०



१९



१३



१४

१५



१६

१७

आ से शुरू होने वाली चार चीज़ों के नाम बताओ। झूला झूलो।

१८

१२

बीस की गिनती पूरी होने से पहले बाहर से एक पत्थर लेकर आओ। आम खाओ

११

१०

९



८

७

म से शुरू होने वाला कोई गाना सुनाओ। पगड़ी पहनो।

१

शुरू करो।

२

मछली पर कविता सुनाओ नाव में जाओ।

३

४

५

क से शुरू होने वाले पाँच बच्चों के नाम बताओ। पतंग उड़ाओ।

६

बच्चे सुझाया गया काम करेंगे। सही करने पर आगे बढ़ेंगे। गलत करने पर एक बारी छोड़ेंगे।